

मेरी सेक्सी बुआ के मटकते चूतड़-1

भरी बुआ बहुत खूबसूरत और सेक्सी हैं, उनके चूतड़ बहुत बड़े और उभरे हुए हैं। एक बार वो हमारे घर आई तो मैंने उन्हें कमरे में अपने बदन से खेलेते देखा। फ़िर उनके घर गया तो बुआ फ़ूफ़ा जी की चुदाई देखी।

"

• • •

Story By: सूरज कुमार (surajkumar708@ymail.com)

Posted: Tuesday, June 14th, 2016

Categories: कोई देख रहा है

Online version: मेरी सेक्सी बुआ के मटकते चूतड़-1

मेरी सेक्सी बुआ के मटकते चूतड़-1

प्रणाम साथियो.. मैं सूरज एक बार फिर नई कहानी लेकर आया हूँ। मेरे घर में पापा-मम्मी और मैं कुल तीन सदस्य हैं। पापा जॉब करते हैं और ज्यादातर बाहर ही रहते हैं। मेरी मम्मी गृहस्थी संभालती हैं।

मेरे पापा की एक बहुत ही खूबसूरत बहन हैं.. यानि मेरी बुआ हैं। उनकी उम्र लगभग 40 साल की होगी और उनकी फिगर बहुत ही कमाल की है। उनके चूतड़ 40D साइज़ के लगभग होगी।

बात उन दिनों की है.. जब मैं स्नातक के दूसरे वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। उस वक्त मेरी उम्र 20 साल थी।

अचानक एक दिन बुआ हमारे घर आईं.. उन्हें 10 दिनों तक हमारे घर में रहना था। हमारे शहर में बुआ को कुछ काम था.. वे इसलिए आई थीं। उस वक्त मैं भी ज्यादातर घर में ही रहता था.. क्योंकि मेरी परीक्षा की डेटशीट आ चुकी थी।

मेरी परीक्षा का सेन्टर बुआ के घर से मात्र 2 किलोमीटर दूर है.. तो बुआ बोलीं- बेटा तू एक काम कर.. हमारे घर पर रह कर सारे पेपर की परीक्षा देना.. ये तुम्हारे लिए अच्छा रहेगा।

मैं मन ही मन खुश हुआ क्योंकि मुझे बुआ का घर अच्छा लगता है..
मैंने बुआ को बोला- ठीक है बुआ.. जब आप घर जाएंगी.. तब मैं भी आपके साथ ही आपके घर चला जाऊँगा।
बोलीं- ठीक है बेटा..



मैं अपने कमरे में पढ़ने चला गया। अभी तक मेरे मन में बुआ के बारे में कोई बुरा ख्याल नहीं था।

जब रात मैं हम सब टेबल पर बैठे डिनर कर रहे थे.. तो बुआ मेरे सामने सीधी बैठी हुई थीं। मुझे पता नहीं चला था कि कब बुआ झुककर खाना खाने लगीं। जब मैंने अपना सर ऊपर किया.. और बुआ की ओर देखा.. तो बस मैं देखता ही रह गया क्योंकि बुआ का पल्लू गिरा हुआ था और बुआ का ब्लाउज पसीने से भीगा हुआ था।

मुझे बुआ की चूचियों का दाना और गोरे दूध साफ नजर आ रहे थे।

मुझे पता नहीं था कि बुआ का पल्लू खुद गिरा था या बुआ ने नीचे किया था। क्योंकि उस वक्त बिजली चली गई थी। चूंकि उस समय गर्मी भी कुछ ज्यादा थी.. और जहाँ तक मैंने सुना है कि मोटी औरतों को ज्यादा गर्मी लगती है.. तो हो सकता है कि गर्मी लगने के कारण बुआ ने ऐसा किया हो।

खैर.. उस वक्त का नजारा मेरे जिन्दगी का पहली बार था.. मैंने अपनी आँखों से इस अंदाज में किसी औरत को पहली बार देखा था। उस वक्त मेरी निगाहें सिर्फ़ बुआ के खुले गले के ब्लाउज पर थीं, मैं सिर्फ बुआ की बड़े-बड़े चूचों को देख रहा था, मुझे बहुत अच्छा लग रहा था.. मेरे लंड धीरे-धीरे पैन्ट में अपने-आप बड़ा होता जा रहा था।

उस वक्त मैं मानो अलग दुनिया में खो गया था जिस दुनिया में सिर्फ़ आनन्द ही आनन्द दिखाई दे रहा था। तभी मेरा हाथ अपने आप मेरे लंड पर चला गया था। मेरा हाथ हरकत करने लगा था चूंकि ये सब टेबल के नीचे हो रहा था.. इसलिए मुझे कोई नहीं देख पा रहा था।



मैं अपने हाथ से चड्डी के अन्दर लंड को आहिस्ता-आहिस्ता प्यार से आगे-पीछे कर रहा था, मुझे बहुत मजा आ रहा था।

अचानक मम्मी ने मुझे बुआ के दूध देखते हुए देख लिया और मम्मी बोलीं- सूरज कहाँ खो गए हो.. खाना खाओ..

तब मैंने अपनी मुन्डी नीचे की और खाना खाने लगा।

मम्मी बुआ को इशारा करते हुए बोलीं- अपना पल्लू ठीक करो.. सूरज देख रहा है। मैं समझ गया और बुआ ने अपना पल्लू ठीक कर लिया। खाना सबका हो गया था.. तो सब अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चले गए।

मैं भी अपने कमरे में आया.. फिर मैंने कपड़े बदले और लोवर पहन कर सोने चला गया। मैं बिस्तर पर सोने की कोशिश रहा था.. लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही थी.. क्योंकि जब भी मैं आँख बंद करता था.. तो वही नजारा.. बुआ के दूध.. मेरे दिमाग में घूम रहे थे। मैं तो परेशान हो गया था, मुझे बुआ के दूध चूसने का मन कर रहा था और गाण्ड सूँघने-चाटने का मन कर रहा था।

मुझे नींद नहीं आ रही थी.. तो मैंने टीवी चालू किया और फिल्म देखने लगा।

तभी बुआ के कमरे से कुछ गिरने की आवाज आई.. मैंने जाकर देखा.. तो बुआ के कमरे में नाईट लैम्प जल रहा था। मैंने बुआ को आवाज लगाई- क्या हुआ बुआ ? तो बुआ बोलीं- कुछ नहीं.. सब ठीक है.. एक चूहा था.. वही डब्बा गिरा गया था।

मुझे कुछ समझ में नहीं आया क्योंकि मेरे घर में चूहा था ही नहीं। तब मुझे कुछ शक हुआ कि बुआ झूठ क्यों बोल रही हैं।

बुआ के कमरे की खिड़की में एक छोटा सा छेद है.. जो बुआ को पता नहीं था।



खिड़की अन्दर से बंद थी.. मैंने छेद से अन्दर झाँक कर देखा कि क्या बात है। जैसे ही मैंने अन्दर देखा.. तो मैं चौंक गया। अन्दर बुआ बिल्कुल नंगी थीं।

क्या मस्त माल लग रही थीं यार.. बुआ की बड़ी-बड़ी चूचियाँ और बड़े चूतड़ देखकर मेरा लंड पूरा खड़ा हो गया, ये सब देखकर बुआ को चोदने का मन करने लगा।

मैंने देखा कि बुआ के हाथ में कीम की डिब्बी थी और वे आईने के सामने खड़ी होकर अपने दूधों पर कीम लगा रही थीं और धीरे-धीरे दबा रही थीं.. साथ ही वे अपने चूचों की मालिश कर रही थीं।

दोनों हाथ से बुआ दूध को मसल रही थीं और साथ ही कुछ अपने मुँह से कुछ सिसकारते हुए बोल रही थीं- आह.. ऊह.. ईश.. उम्ममा.. उनके मुँह से इस तरह की कामुक आवाजें निकल रही थीं।

मैं भी ये नजारा देख कर अपना पैन्ट खोलकर अपने लंड को हाथ में लेकर आगे-पीछे करने लगा।

मुझे ऐसा करने में बहुत मजा आ रहा था.. जब लौड़ा हिलाने में मजा आने लगा.. मैंने थोड़ा सा अपने लंड को हिलाना तेज किया.. तो मुझे और मजा आने लगा।

अन्दर कमरे में बुआ भी एक हाथ से अपने दूध को दबा-दबा के मालिश कर रही थीं और एक हाथ से अपनी बुर में उंगली अन्दर-बाहर कर रही थीं। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

वे जोर-जोर से सिसकार रही थीं। फिर बुआ अपने चूचों को आईने पर सटाकर रगड़ने लगीं और वो 'आह.. उई..' करे जा रही थीं। इधर मैं भी लंड को जोर-जोर से हिला रहा था और मेरे लंड से अचानक सफेद रस निकलने लगा। मुझे बहुत मजा आ रहा था.. पहले कभी मेरे



लंड से इस तरह का पानी नहीं निकला था.. आज मुझे बुआ को नंगा देखकर अपना लंड को पकड़ने में मजा आ रहा था।

बुआ भी अब अपनी गाण्ड की मालिश करने लगी थीं। बुआ की गाण्ड मालिश करने का तरीका कुछ अलग था। बुआ ने आईने में कीम लगा दी और अपनी गाण्ड आईने से सटा कर ऊपर-नीचे होने लगीं। वे अपनी उंगलियों को मुँह में लेकर चूस रही थीं।

यह देख कर मैं भी बुआ की तरह अपने लंड को दीवार पर सटाकर रगड़ने लगा.. मुझे बहुत मजा आ रहा था.. हिलाने से ज्यादा रगड़ने में मजा आ रहा था।

अब बुआ बिस्तर पर कपड़ा पहन कर सो गईं और मैंने भी बाथरूम में जाकर लंड को दोबारा हिलाया। मुझे अपना लौड़ा हिलाने पर जब उसके अन्दर से जो रस निकलता था.. तब मजा बहुत आता था। फिर मैं भी अपने कमरे में सोने चला गया।

मैं सुबह जब सोकर उठा.. तो देखा कि मम्मी रसोई में खाना बना रही थीं। मैं बाथरूम गया.. तो मुझे शावर चलने की आवाज आ रही थी। मेरे घर पर दो बाथरूम थे.. जो एक-दूसरे से सटे हुए थे। बस सिर्फ एक दीवार की आड़ थी।

फिर क्या था.. दीवार के उस तरफ बुआ थीं.. तो मैं मन ही मन खुश हुआ कि क्यों नहीं आज बुआ को नहाते हुए देखा जाए।

फिर मैंने आपने बाथरूम के आईने को खोल दिया.. तो दीवार में दरार की वजह से एक छेद था.. तो मम्मी ने उस छेद में एक कपड़ा घुसा रखा था.. जिसे मैंने निकाल दिया। अब छेद से मैं अन्दर देखने लगा.. तो बुआ चौकी पर बैठी पूरी तरह से नंगी थीं और अपनी झाँटों पर पानी डाल रही थीं।



तो मैंने भी अपने सारे कपड़े उतार दिए और मैं भी पूरा नंगा हो गया।

बुआ ने कुछ देर अपनी झाँटों पर पानी डालने के बाद अपनी बुर को अच्छी तरह से साबुन से रगड़ कर झाग युक्त कर दिया और झाँटों को रेजर से साफ करने लगीं।

ऐसा करते हुए बुआ की बुर से सफेद सफेद गाढ़ा चिपचिपा सा रस निकलने लगा। जब पूरी उनकी झाँटें पूरी तरह से साफ हो गईं.. तो मैंने पहली बार इतने नजदीक से उनकी चिकनी चूत को देखा। दरअसल मैंने पहली बार किसी औरत की बुर पूरी तरह नंगी और लाल देखी थी।

बुआ अपनी चूत के सफेद रस को अपने हाथ में लेकर चाटने लगीं।

ये सब देख कर मेरे भी लंड से रस निकल रहा था.. बुआ को ऐसा करते देख कर मैंने भी अपने हाथ में अपने रस को लेकर चख कर देखा.. तो मुझे मजा आ गया। अब मैंने भी अपना रस चाटना शुरू कर दिया।

सच में बहुत अच्छा लगता है नमकीन-नमकीन रस.. तभी तो बुआ अपना माल चाटे जा रही थीं।

ये सब देखकर बुआ को मैं चोदना चाह रहा था.. फिर बुआ नहाकर बाहर निकलीं और मैंने भी लंड को हिलाकर रस निकाल कर मजा लिया.. और जल्दी से नहाकर बाहर निकल आया।

लेकिन उन्हें कैसे चोदा जाए.. कुछ करने की सोचने में ही डर लग रहा था। अब मेरा बुआ के प्रति देखने का नजरिया बदल गया था। जब भी मैं बुआ को देखता था। अगर पीछे से देखने का मौका मिलता.. तो मैं उनकी गाण्ड को देखता था.. और आगे से अवसर मिलता तो बुआ की बड़ी चूचियों को निहारता रहता था।



जब वह चलती थीं.. तो मैं उन्हें देखता रहता कि कैसे आगे उनके दूध हिलते हैं और पीछे से मदमस्त चूतड़ हिलते!

मेरे लंड का क्या था.. उसे तो सिर्फ़ बुआ को देखते ही पूरे 90 डिग्री की पोजीशन में खड़ा हो जाना रहता था।

फिर एक दिन बुआ अपने घर जाने के लिए अपनी पैकिंग करने लगीं.. बुआ मुझसे बोलीं-बेटा तुम्हें मेरे साथ चलना है कि नहीं.. बुधवार से तुम्हारी परीक्षा है ना.? मैं बोला- हाँ बुआ.. चलना है।

बुआ ने मेरे सामान की भी पैकिंग कर दी।हम लोग सुबह निकल गए और लगभग सुबह के 11 बजे तक बुआ के घर पहुँच गए।

बुआ ने दरवाजा खटखटाया तो फूफाजी ने दरवाजा खोला,हम लोग अन्दर आए और फिर मैं फ्रेश होकर आराम करने लगा।

अब मैं बुआ के घर के सदस्यों के बारे में बता दूँ। बुआ के घर में फूफाजी बुआ एक लड़का और एक लड़की.. दोनों के नाम ऋमश: सौरभ और प्रियंका थे। प्रियंका की शादी हो चुकी है.. और सौरभ हॉस्टल में रहता है.. वो दसवीं में पढ़ता है.. दोनों मेरे से छोटे हैं।

घर पर सिर्फ फूफाजी और बुआ रहती हैं। फिर हम लोग एक साथ खाना खाकर सोने चले गए।

मैं सौरभ के कमरे में सो गया। जब मैं रात के एक बजे पेशाब करने के लिए उठा और जब मैं पेशाब करके लौट रहा था.. तो मैंने देखा कि बुआ और फूफाजी के कमरे से चूड़ियों के खनकने की आवाज आ रही थी।

मैंने सामने से जाकर देखा.. तो दरवाजा थोड़ा सा खुला था। मैंने जैसे ही अन्दर देखा.. तो



क्या देखने लायक सीन था.. अन्दर का नजारा मेरे लिए तो लाइव ब्लू-फिल्म थी।

फूफाजी भी नंगे और बुआ भी नंगी.. दोनों बैठे हुए थे। मुझे सब कुछ साफ दिखाई दे रहा था क्योंकि कमरे में लाईट जल रही थी। वे दोनों दरवाजे की तरफ मुँह करके बैठे थे जिससे मुझे उन दोनों के नंगे शरीर को देखने में दिक्कत नहीं हो रही थी।

बुआ फूफाजी के लंड को अपने हाथ में पकड़ कर हिला रही थीं.. फूफाजी का लंड काफी मोटा था। बुआ हिलाए जा रही थीं और बुआ के दोनों दूध झूल रहे थे। कभी-कभी फूफाजी चूचों को दबा रहे थे।

अचानक बुआ लंड को पूरा मुँह में लेकर चूसने लगीं।

दोस्तो, यह कहानी एकदम सच है.. इस वाकिये को मैं पूर्ण रूप से सही-सही लिख रहा हूँ.. इस घटना के विषय में अपने विचार ईमेल से भेजिए।

कहानी जारी है। surajkumar708@ymail.com



Other stories you may be interested in

मामी की गोद हरी कर दी-1

सभी दोस्तों को मेरा प्यार भरा नमस्कार!मेरा नाम लोकेश है, मैं जयपुर का रहने वाला हूँ.. मेरी लम्बाई 6 फुट और रंग गोरा है। मैं अर्न्तवासना का नियमित पाठक हूँ। अर्न्तवासना की कहानियाँ पढ़कर मुझे लगा कि मुझे भी [...]

Full Story >>>

चूत चुदाने की चुनचुनाहट

हैलो दोस्तो... कैसे हो आप सब.. याद हूँ मैं या नहीं.. सॉरी बहुत दिन बाद वापस आई हूँ न.. मेरी पिछली कहानी ब्यूटी पार्लर में झांटें बनवाईं और चूत चुदवाई को आप लोगों ने बहुत पसंद किया, उसके लिए आप [...]

Full Story >>>

मेरा गुप्त जीवन- 174

अब बिमला मौसी मुझको लेकर एक कोने में चली गई और मेरे कान में फुसफुसाने लगी- इसका मतलब यह है कि तुम मुझको गर्भवती कर सकते हो ? मैं केवल मुस्करा दिया और मैंने मौसी को कोई उत्तर नहीं दिया लेकिन [...]

Full Story >>>

दोस्त और उसकी बीवी ने लगाया ग्रुप सेक्स का चस्का-9

अब आगे की कहानी मैं सुनाता हूँ! स्वाना स्वाकर मैंने दीपा को फ्रिज से आइसक्रीम निकालने को कहा। वो उठी, मैं भी पीछे पीछे चला गया, मैंने उसको पीछे से गले लगाकर पूछा कि उसे बुरा तो नहीं लग रहा, [...] Full Story >>>

मामा ने गाण्ड मार कर मुझे गांडू बनाया

मेरा नाम राहुल है। मेरी उम्र 26 साल.. व हाइट 5'10" है। मैं गोरा और स्मार्ट दिखता हूँ। ये बात 6 साल पहले की है। मैं अपनी नानी के यहाँ एक फंक्शन में गया था। वहाँ मुझे सर्वेश मामा मिले.. [...] Full Story >>>





Other sites in IPE

Bangla Choti Kahini



Kinara Lane



Antarvasna



বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Antarvasna Porn Videos



Delhi Sex Chat



Tamil Kamaveri



Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்